amaan.cooldude18
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2430
अवशेष
राज रजत वर्ष
नागराज
सुपरकमांडोध्रुव

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

अवशेष

कथा	चित्रांकन	इंकिंग	कैलिग्राफी	इफैक्ट्स	सम्पादक
जॉली सिन्हा अनुपम सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनित सिद्धार्थ सागर थापा	हरीश शर्मा	शादाब, सुनील दसतुरिया	मनीष गुप्ता

लियन या परग्रही शब्द सही नहीं लगता। ये शहर धरती वासियों ने ही बनाया है। यहां पर उनके उपयोग की भी वस्तुएं हैं।
परंतु उनका कोई अवशेष नहीं है। एक कंकाल या छोटी अंगुली की हड्डी तक नहीं...
ऐसे जैसे कि वे कभी यहां रहे तक नहीं!
पूरी पृथ्वी पर ऐसे पांच शहर ढूंढे जा चुके हैं जिनकी कार्बन डेटिंग 15000 साल तक पुरानी है।
और इनमें से हर शहर के साथ एक अनोखा अंधविश्वास भी जुड़ा है...
ऐसा हर नगर शापित है। जो कोई भी यहां आया...
वह सही सलामत वापस नहीं गया।
तो हम वापस जाएंगे ही नहीं! चलो! यहीं कोई होटल-वोटल ढूंढते हैं।

amaan.cooldude18
होटल! है ना!! पर कमरा नहीं मिलेगा!
क्यों?
क्योंकि कमरे बचे ही नहीं। हाहाहा
"ब्रेकिंग न्यूज! रणदौड़ा के खंडहरों में तीन पुरातत्ववेत्ताओं को पैरालिसिस की अवस्था में पाया गया है। तीनों शोधकर्ता..."

amaan.cooldude18
MMIGRATION DESK
अ...मिस यामी टेम्पेस्ट और...म... मिसेज रोजा टेम्पेस्ट और मिस्टर डेविल टेम्पेस्ट! फ्रॉम साउथ अफ्रीका!
WEIRD NAMES!
जल्दी में यही नाम मिले!
जल्दी में!! व्हाट डू यू मीन?
पूरी बात तो सुनें! जल्दी में यही नाम मिले... हमारे अभिभावकों को।
दैट्स ओके! आपको ब्रिटेन से इंडिया जाने की इजाजत दी जाती है।
VISA
VISA
CLEAR!

देखा! आसान था ना!
अरे ये मुझे क्या पहना दिया है! तुम लोग अपने काम में मुझे मत घसीटा करो। मैं आगे से धोखाधड़ी में तुम लोगों का साथ नहीं दूंगी!
ठीक है! पर अभी तो अच्छी एक्टिंग करो। वर्ना मुश्किल से बना खेल बिगड़ जाएगा।
मिस्टर टेम्पेस्ट?
अ...हां...यस?
आप इंडिया जा रहे हैं?
हां!
आप इंडिया नहीं जा सकते।
क्यों?
मेरे पास आपको साउथ अफ्रीका डिपोर्ट करने के आर्डर हैं।
आपको गलतफहमी हुई है। हमारा साऊथ या नॉर्थ, अफ्रीका से कोई लेना-देना नहीं है।
ये तो आप हमारे सीनियर को समझाइएगा। फिलहाल आप हमारे साथ चलिए!
अरे, पर हमारे टिकट्स का क्या होगा?
आपको 50 परसेंट रिफंड हो जाएगा। चेक आपके साउथ अफ्रीका के एड्रेस पर पहुंच जाएगा।
साउथ अफ्रीका का एड्रेस! कौन सा एड्रेस?
जो आपके पासपोर्ट पर है!
पर आपने तो कहा था कि आपने सब सेट कर लिया है!
कर लिया था। पर ये ना जाने कौन सी नई मुसीबत आ गई। चलो, देखते हैं।
मैं तो कहती हूं कि सच्चाई बताओ और इस मुसीबत से छुटकारा पाओ।
आप उस प्लेन में जाइए। हमारे सर आपका वहीं पर वेट कर रहे हैं।
अच्छा। चलो, तुम्हारे सर से भी मिल लेते हैं।

इस यान में आपका स्वागत है। कृपया सीटों पर बैठ जाएं। हम अभी आपके स्वागत के लिए उपस्थित होते हैं।
यहां तो कोई भी नहीं है। मैंने तो सोचा था कि सर जी के साथ-साथ लम्बा-चौड़ा स्टाफ भी होगा! पर यहां तो...
अरे! कुछ...कुछ गडबड़ है। ये प्लेन तो टेक ऑफ कर रहा है।
लगता है हम किसी षड्यंत्र में फंस गए हैं।
पर घबराओ मत! मोबाइल है मेरे पास!
और मेरे पास मोबाइल जैमर है!
कौन हो तुम? सामने आओ! वर्ना...तुम जानते नहीं हो कि मैं कौन हूं।
मैं जानता हूं कि आप तीनों कौन हैं। और मेरे ख्याल से आप भी जानते होंगे...
...कि मैं कौन हूं।
अरे! तू यहां कैसे...?
चुप रहो! मुझे बात करने दो। तुमको तो लाखों क्या करोड़ों लोग जानते हैं। पर...तुम हमसे क्या चाहते हो?
वह, जो सिर्फ आप लोग ही मुझे दे सकते हैं।
आशीर्वाद!

पर तू यहां क्यों आया? राजनगर एयरपोर्ट पर ही हमारा इंतजार करता!

मैंने कमांडो हेडक्वार्टर के लिए यह नया सर्विलेंस कॉप्टर प्लेन खरीदा है! मैंने सोचा इसकी चेकिंग भी हो जाएगी और आप लोगों को पलट-सरप्राइज भी मिल जाएगा!

और इस शो बाजी के चक्कर में तुमने हमारे तीन टिकटों के पैसे बरबाद कर दिए!

अच्छा! और तूने तो तीन दूसरे लोगों का टिकट खरीद कर पैसे बचाए हैं ना! अरे, मैंने तो पचास परसेंट कम से कम वापस लिया है ना! चल पैर छू!

तुम्हारे जैसे चीटर के पैर छुए मेरी जूती!
ओ! मेरा लक्की क्वॉयन!
ओफ! इसे तुम्हारे पैर के पास ही गिरना था!
ताकि मैं इस बहाने तुमको प्रणाम कर सकूं! अरे नाक भी तो बचानी है। प्रणाम भईया।
उठा ले, कंजूस! एक सिक्का न खोने पाए!
तूने इसे जानबूझकर गिराया है! सदा खुश रह मेरी नकचढ़ी!
तू तो सच में कमाल है। हमारा सामान तक मंगा कर रखा है।
पर तू सिर पर हाथ क्यों लगा रही है, श्वेता? भाई के पैर छुए हैं क्या?
हुंह!
पर तू यहां खड़ा है बेटा तो प्लेन कौन उड़ा रहा है?
ऑटो पाइलट, मम्मी! ये प्लेन अपने आप चलता है। सिर्फ उड़ाने...
"और उतारने के समय इसको असली पायलट की जरूरत पड़ती है।"
परमीशन ग्रांटेड! प्राइवेट फ्लाइट 7107A! आप लैंड कर सकते हैं।

गड़ड़ड़ड़ड़ड़
V22
ओ गॉड! भूकम्प!!
और वह भी तीव्र!

ये तो महाविनाशकारी भूकम्प है। जान-माल का भयानक नुकसान होगा। परंतु राजनगर तो किसी फॉल्ट लाईन पर नहीं है। फिर इतना तेज भूकम्प यहां पर कैसे आया?
बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा पापा। राजनगर के अधिकतर निर्माण भूकम्प रोधी हैं। पर थोड़ा नुकसान तो...
ये आवाज कैसी है। अलार्म जैसी बज रही है।
फ्यूल खत्म हो रहा है। शायद टंकी में छेद हो गया है।
अब हम भूकम्प के झटकों के रुकने का इंतजार नहीं कर सकते।
प्लेन को कहीं न कहीं पर उतारना ही होगा।
समझ गया बेटा। पर कहां? इस वक्त सपाट जमीन तो छोड़ो, शांत पानी तक नहीं मिलेगा जिस पर प्लेन को उतारा जा सके।
न जाने इस भूकम्प का क्षेत्र कहां-कहां तक फैला हुआ है।
"और उसने कहां-कहां पर तबाही मचाई है।"
ये महा भूकम्प था जिसके कंपन महानगर तक को हिला रहे थे।
ये तो नागराज के सांप हैं!
पर नागराज कहां है?

ये बिल्डिंग नहीं बचेगी। मलबे में दब के मरने से अच्छा है कि मैं जमीन से टकराकर मरूं।
मेरे बिना अगर जी गई तो भी क्या करूंगी? जीना साथ है तो मरेंगे भी साथ।
अरे नागराज कुछ क्यों नहीं करता!
इस विनाश से तो हमें देवता भी नहीं बचा सकते। नागराज तो मामूली चीज है।
नहीं, पापा! देवता आएं न आएं पर नागराज आएगा भी...।
"और बचाएगा भी।"

देखा मम्मी। आप मान नहीं रही थीं। मैं कह रहा था न कि नागराज आएगा।
नागराज उड़ रहा है! वाह!! और इसके नए नाग तो लोहे के सरियों से भी ज्यादा मजबूत लगते हैं।
तभी तो इन्होंने गिरती इमारत को थाम लिया है। अब भूकम्प के झटके इसे ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे।
और ये सांप तब तक इसको थामे रहेंगे जब तक इसकी रिपेयर नहीं हो जाती। वैसे आप लोग इमारत से बाहर आ जाएं तो फिलहाल ज्यादा सुरक्षित रहेंगे।
भगदड़ की जरुरत नहीं है। आप लोग आराम से बाहर आ सकते हैं।
भूकंप के एक नहीं-

amaan.cooldude18
कुछ करो भाई! अंदर मिथाईल आइसो साइनाईड के कई ड्रम भरे रखे हैं। अगर वे आग में जलने लगे तो महानगर में एक नया भोपाल गैस कांड हो जाएगा!
अरे, हम कोशिश कर तो रहे हैं। पर हम सिर्फ पानी लेकर आए हैं। और ये केमिकल की आग सिर्फ पानी से बुझने वाली नहीं है।
फोम टैंक वाली गाड़ी आ रही है। पर उसके पहुंचने में अभी टाईम लगेगा। जब तक हम कोशिश करते रहेंगे।
तब तक तो सत्यानाश हो चुका होगा। अरे, मेरा तो इसी धुंए से दम घुट रहा है।
ओफ्फ! एक ड्रम फट गया है। अब न तो धुएं को फैलने से कोई रोक सकता है और ना ही एक किलोमीटर के घेरे की आबादी को मरने से।
अब तो पानी भी खत्म हो गया। बाकी फायर ब्रिगेड लगता है जाम में फंस गए होंगे! भूंकप के बाद तो सड़कें भी टूट गई होंगी!
फिलहाल तो पीछे हटो! हमारे पास तो गैस मास्क भी नहीं है।
ये...ये क्या है?
सुनामी! सुना है भूंकप के बाद सुनामी आती है।
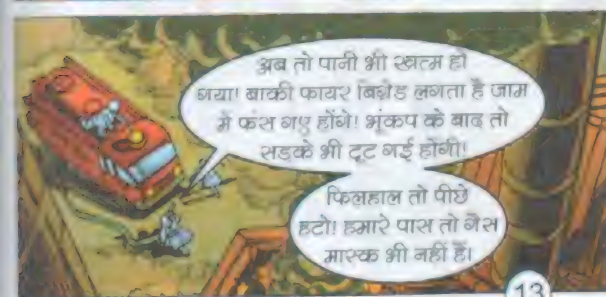
ये टॉरनेडो है। ट्विस्टर।"
"ट्विस्टर बादलों से नीचे उतरता है। समुद्र में पैदा नहीं होता। अब मूर्ख कौन?"
"हम दोनों। पर अगर ये ट्विस्टर नहीं है, सुनामी नहीं है, तो फिर ये है क्या?"
"नागराज!"
शीतनाग ने शरीर से निकलकर मेरी परेशानी बढ़ा दी है। अगर वह रहता तो मैं पानी को जमा कर बर्फ बना कर ले आता।
ऐसे गोल-गोल घूम कर चक्कर न खाता।
थैंक्स, नागराज! अब तुमने हमारी जान भी बचा दी और नौकरी भी।

पानी, केमिकल में लगी आग को बुझा नहीं पाया।
अब जो भूकंप से बचे हैं, वे जहर सूंघ कर मरेंगे।
ओफ! मैं फैक्टरी को अंदर से चेक करना कैसे भूल गया।
अब मुझे इस जहर को जहर से काटना होगा।
पहले मैं इस जहर को पिऊंगा।
और फिर फैक्टरी के अंदर फुंकार छोड़कर यहां की वायु को इतनी विषैली कर दूंगा कि केमिकल की आग को जलने के लिए ऑक्सीजन मिल ही न पाए।
गुड! आग अब पूरी तरह से बुझ चुकी है। अब मैं यहां से निश्चित होकर जा सकता हूं।
खतरा टल गया है। अब मुझे और लोगों को बचाने जाना होगा। और भूकंप का कारण भी पता करना होगा।

शुरू हुआ था।

टीटींऽऽऽ! टीटींऽऽऽ

ओफ्! अब हमारे पास एक मिनट से भी कम समय है। अब इंजन की पॉवर भी कम होती जा रही है...

पर समुद्र का पानी तो अजीब सा BEHAVE कर रहा है।

अरे! समुद्र के अंदर से एक नगर प्रकट हो रहा है!!
ऐसा नगर तो न पहले देखा गया न सुना गया!
ये तो आज तक की सबसे बड़ी पुरातत्व खोज होगी!
इसके रास्ते और सड़कें काफी सपाट हैं, ध्रुव! प्लेन को यहीं उतारने की कोशिश करो!

मैंने इन लिपियों पर एक शॉर्ट पेपर लिखा है! ये तो हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की लिपियों से मिलती जुलती हैं।
यानी ये नगर भी उतना ही पुराना होगा!
ये क्या है?
मुझे कुछ गड़बड़ लगती है! मैं कमांडो हेडक्वार्टर में संपर्क करने की कोशिश करता हूं। अगर हो गया तो आप लोग आने वाले स्टार कॉप्टर से निकल जाइएगा।
और तुम?
मैं जरा इस रहस्यमय नगरी की छानबीन करूंगा।
हैलो करीम, कम इन करीम! ओफ! भूकंप ने पता नहीं कहां-कहां पर नुकसान किया है। संपर्क नहीं हो पा रहा है।
आप लोग राफ्ट से निकल जाइए! जल्दी!
तुम्हें छोड़कर जाने का मन तो नहीं है, ध्रुव!
पर राजनगर में मेरी इस वक्त ज्यादा जरूरत है! रिलीफ वर्क को जल्दी से जल्दी शुरू करना है।
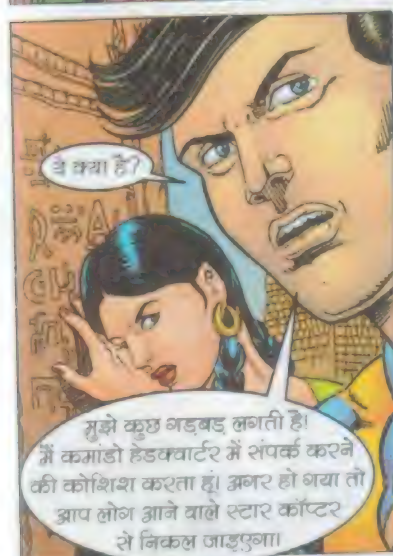
वैसे तो मैं ऐसे अजूबे देख-देख कर बोर हो चुका हूं! लेकिन कम से कम ये प्राचीन प्राणी इस नगर के प्राचीन होने का सुबूत जरूर दे रहा है।

पर किसी विलुप्त प्रजाति का ये प्राणी नगर के साथ-साथ जीवित कैसे बच गया।

ये बाद में सोचूंगा। वर्ना लोगों को मेरे विलुप्त होने पर विचार करना पड़ेगा।

तू पतवार क्यों नहीं चला रही श्वेता?

मैं थक गई हूं न, मम्मी!

तो पापा क्या अकेले चलाएंगे राफ्ट? भूकंप का अगर एक और झटका आ गया तो?

भूकंप बार-बार नहीं आते अ..अ..ओ!

क्या हुआ?

पा...पानी में कुछ है, मम्मी!

सच में? पानी से हाथ निकाल! पानी से हाथ बाहर निकाल श्वेता!!

amaan.cooldude18
श्वेता!! क्या हुआ तुझे?
ओ गॉड! क्या हुआ श्वेता को। श्वेता!!
मुझे तो लगा वह जानबूझ कर गिरी है
श्वेता!
श्वेता गायब हो चुकी थी
और अब बारी ध्रुव की थी।
ओऽऽऽ! एक मिनट। ये प्राणी आम प्राणी नहीं है। ये नगर पानी के नीचे से निकला है। हजारों वर्षों के बाद। और ये प्राणी कहीं से भी जलचर नहीं लगता।
ये थलचर है!!
पर अगर ये थलचर है तो ये हजारों वर्षों पहले डूबे नगर में अब तक कैसे रहता रहा होगा।
और अगर ये वहां पर नहीं रह रहा था तो फिर ये आया कहां से?
अरे! ये...ये मेरे पीछे नहीं था। ये तो किसी चीज से बचकर भाग रहा है।
पर...ऐसा कौन सा प्राणी हो सकता है जो इतने डरावने और शक्तिशाली प्राणी को भी...
...डरा सके?
पत्थर युग का हथियार!!
असंभव! ये तो... गुफामानव हैं! ये शहर पानी के सागर में डूबा था...

या समय के सागर में!!
पर...पर ये क्या? ये तो मानव नहीं हैं। ये तो कोई और ही प्रजाति लगती है। जैसे... जैसे मानव, बंदर से नहीं बल्कि भेड़ियों से विकसित हुए हों!
ध्रुव कुछ समझ नहीं पा रहा था।
उसके पास समझने का समय नहीं था।
क्योंकि अब वह उनका नया शिकार बनने वाला था।
फिलहाल मुझे इस नगर की छानबीन करनी है। इनसे उलझकर मैं समय को बरबाद नहीं करना चाहता।
पहले मुझे ये पता करना है कि क्या इस महाविशाल नगर में इनके जैसे और भी रहस्य छुपे हैं?
आऽऽह! इनकी शारीरिक शक्ति तो लाजवाब है। शक्ति में इनके सामने मैं टिक नहीं सकता।

amaan.cooldude18
मैं इस अदभुत प्रजाति को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता! इनको डराना ही काफी होगा। अभी ये अपने प्रागैतिहासिक काल में हैं।
इसीलिए ये पशुओं की तरह आग से जरूर डरते होंगे।
गुड! ये डर रहे हैं। पीछे हट रहे हैं।
...पर...पर ये भाग नहीं रहे हैं। ओफ! ये सिग्नल फ्लेयर भी बड़ी जल्दी खत्म हो जाते हैं।
और साथ ही इनका डर भी खत्म हो गया है!
अब मैं क्या करूं?
ध्रुव पीछे हटो! हफ!
अरे! चंडिका तुम? यहां? इतने दिनों के बाद!! पर तुम्हारे पीछे कौन पड़ा है?
शरारती के बच्चे की तरह बेतुके सवाल मत पूछो! झुक जाओ।
ये क्या है?
धड़!
धड़!
धड़!
पर क्यों? कौन?

amaan.cooldude18
चिकिक्कुल!!
गंल! गंल!!
तो ये लगा था तुम्हारे पीछे!! या तुम इसके आगे लगी थीं?
मुझे तो यही एक फटाफट तरीका समझ में आया! पहले इसे पत्थर मार-मार नाराज किया फिर इसको अपने पीछे लगा कर यहां तक ले आई। अब यह सनक गया है। अपने शिकारियों का ही दुश्मन बन गया है।
वैसे ये सिर्फ संयोग है या कुछ और कि इधर श्वेता आई और उधर तुम प्रकट हो गई। पूरे एक साल के बाद!
तुम्हारे लिए संयोग होगा। मैं तो श्वेता से मिलने आई थी।
उसने मुझे DISTRESS SIGNAL भेजा था। किधर है श्वेता?
इंतजार करो। जब तक वह तुमको फिर से सिग्नल न भेजे।
सीधे कहूं तो...अरे।
गायब हो गए!!
क्या? जबान से शब्द? या सिर से दिमाग?
इसीलिए तो मुझे आश्चर्य...
मैं आज तक नहीं समझ पाई कि तुम मुझसे इस तरह के सवाल क्यों पूछते हो?
क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि चंडिका और श्वेता में कोई ऐसा संबंध है जो मुझसे छुपाया जा रहा है।
और ऐसी उम्मीद न मुझे श्वेता से है और न ही चंडिका से।
चंडिका तो मैं हूं! मुझसे सीधे-सीधे बात क्यों नहीं करते।
वे आदि भेड़िए और वह पशु! वे हवा में घुल गए!!
वो सॉलिड थे। गैस नहीं जो हवा में घुल जाएंगे।

बचो, चंडिका।
ये क्या है?
पता नहीं। यहां कुछ अजीब सा हो रहा है। क्यों ये मुझे नहीं पता।
फिलहाल हमें यहां से निकल जाना चाहिए। हमें सोच विचार और पूरी तैयारी के साथ वापस आना होगा। तभी हम इस रहस्य की तह तक पहुंच पाएंगे।
मैं तुमसे सहमत हूं। इससे पहले कि ये पूरा द्वीप ही गायब हो जाए। हमें यहां से निकल जाना चाहिए पर कैसे?
जैसे मैं आई हूं। तैर कर।
गुड आइडिया।
तो रेस हो जाए चंडिका। सिर्फ पचास किलोमीटर की ही तो बात है। अरे। कहां गई?
चंडिका।

श्वेता!
तू कहा रह गई थी श्वेता।
मैं तो मौत के मुंह में जाकर वापस आई हूं पापा।
"...मौत को मेरा टेस्ट अच्छा नहीं लगा।"
कोई समस्या?
ट्यूनिंग में गड़बड़ हो रही है। अलग-अलग फ्रीक्वेंसी पकड़ में आती जा रही है। ये तरीका भरोसेमंद नहीं लगता।
तो हमें प्लान बदलना पड़ेगा! हमें इस द्वीप पर खुद जाना होगा।
और वह भी उचित यंत्र के साथ। चलो, हम बाद में वापस आएंगे।
बाद में कहीं कुछ गड़बड़ ना हो जाए। ये नगर अब पूरी दुनिया के सामने आ चुका है।
कुछ नहीं होगा!
यहां के लोगों में इतना दम नहीं है कि वे हमारा मुकाबला कर सकें...
"ये भागने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते।"
देखो, मम्मी वो रहा भईया!
अरे! आप लोग अभी यहीं पर हैं।
हां! श्वेता पानी में गिर गई थी। इसको ढूंढने के लिए रुकना पड़ा!
ओ श्वेता पानी में गिर गई थी। तभी चंडिका हमसे मिल नहीं पाई।
चंडिका आई थी। ओ I MISSED HER!

...म थी।
भूकंप
...रिक्टर स्केल पर 6.3 की तीव्रता वाले इस भूकंप से जान-माल का ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। पर महानगर से लेकर राजनगर तक की तट रेखा पर कई इमारतों और सार्वजनिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है।
इसके बावजूद ज्यादातर लोग इस भूकंप को वरदान मान रहे हैं क्योंकि इसके कारण समुद्र के अंदर छुपा एक ऐसा प्राचीन नगर बाहर आ गया है जो एक राज्य जितने बड़े एरिया में फैला हुआ है।
सरकार ने इसकी सुरक्षा का जिम्मा सेना को सौंपने का फैसला किया है। अब इस भूकंप पर हमसे चर्चा करने के लिए स्टूडियो में मौजूद हैं प्रसिद्ध भूगर्भ शास्त्री प्रज्ञान सहाय!
दर्शकों को मेरा नमस्कार!
तो प्रज्ञान जी, आपके इस भूकंप और उसमें उभरे प्राचीन नगर पर क्या विचार हैं।
नगर के बारे में निश्चित तौर पर तो प्रामाणिक जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। बस अभी इतना कह सकता हूं कि ये नगर प्राचीन है।
पर हां इस क्षेत्र में ऐसा भूकंप आना आश्चर्य का विषय अवश्य है। क्योंकि ये क्षेत्र किसी भी फॉल्टलाइन के आस-पास तक नहीं है! मुझे तो ऐसा लगता है कि इसकी जिम्मेदार प्रकृति नहीं...
"बल्कि इंसान है। हम हैं।"
EUROPE!
अरे, आप कहां रह गए थे प्रोफेसर सिरी हमने आपसे संपर्क करने की कितनी कोशिशें कीं।
आपका ब्रेन चाइल्ड प्रोजेक्ट सफल रहा। हमने 23 किलोमीटर लंबी विशाल सुरंग में सब एटॉमिक कणों को प्रकाश की गति तक पर टकराने का काम सफलता पूर्वक अंजाम दिया है! THIS HEDRON COLLIDER WORKS!
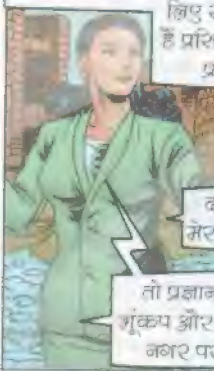
गुड! गुड! दरअसल मैं न्यूज सुन रहा था! इंडिया के मेरे होमटाऊन में भूकंप आ आया है। और भूकंप के कारण समुद्र की सतह पर प्राचीन शहर भी उभर आया है।
कहीं ये हेड्रॉन कॉलाइडर का असर तो नहीं प्रोफेसर सिरी! कहीं सचमुच कणों की टक्कर से ब्लैक होल जैसी गुरुत्व शक्ति वाली महाशक्तियों का निर्माण तो नहीं हो रहा है!!
नहीं! नहीं!
ऐसा कुछ नहीं है। अगर ऐसा होता भी तो उसका असर यहीं पर होता! यहां से हजारों मील दूर भारतीय उप महाद्वीप पर नहीं!
लाओ, मैं डाटा चेक करता हूं! उससे सच्चाई सामने आ जाएगी!
सच्चाई चाहे जो रही हो, विनाश तो हो ही चुका था!
सबसे ज्यादा नुकसान कम्युनिकेशन इक्विपमेंट्स को पहुंचा है, कैप्टेन! पर अभी हमारे कमांडोज का ध्यान राजनगर में भूकम्प प्रभावित लोगों की मदद पर है।
ठीक है! तुम रिपेयर की तैयारी करो! मैं समुद्र में उभरे प्राचीन शहर की छानबीन करता हूं।
डाटा आ गए हैं, कैप्टेन! देखो, ये स्क्रीन काम कर रही है।
इस प्राचीन शहर का क्षेत्र फल हमारे एक बड़े राज्य के बराबर है। इसकी अधिकतर इमारतें काफी हद तक सही सलामत हैं। कार्बन डेटिंग प्रोसेस चल रही है। शाम तक रिपोर्ट आ जाएगी।
"फिलहाल तो आर्मी ने इस धरोहर की सुरक्षा का जिम्मा ले लिया है।"
गड़बड़ हो गई ना! अब हम शहर के अंदर कैसे जाएंगे?
हमने दुनिया भर के प्राचीन शहरों पर अभिशप्त होने का ठप्पा लगाने में जो मेहनत की है, वह अब काम आएगी।
"ये मरेंगे हमारी गामा किरणों के कारण! पर कोई निशान ना मिलने के कारण यह शाप के कारण हुआ समझा जाएगा।"
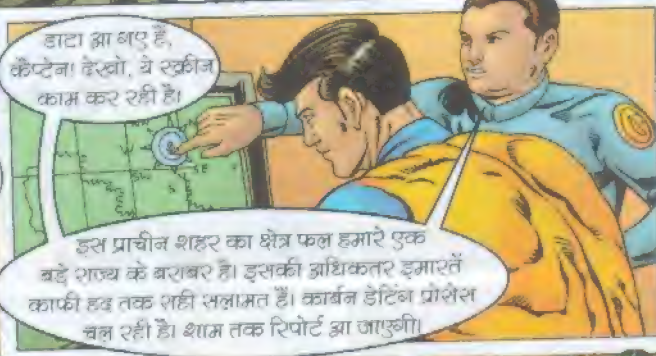
इंसान किसी भी प्राचीन नगर में कदम रखने की हिम्मत नहीं करेगा।"
सर हम यहां पर किस चीज से इस शहर की सुरक्षा करने आए हैं?
पता नहीं जवान? शायद हमें यहां पर कब्जा बनाए रखने के लिए भेजा गया है!
अरे! क्या हुआ!
सर ये तो मर गए!
व्हाट!
अरे! ये भी!
यहां पर कुछ रहस्यमय है। हेडक्वार्टर बात करनी होगी।
सर! हमारे कई जवान रहस्यमय तरीके से मर गए हैं। जैसे उनका हार्टफेल हो गया हो! कोई भी यहां रुकने को तैयार नहीं है। सभी डर गए हैं और शाप का हवाला देकर वापस लौटना चाहते हैं।
ठीक है कमांडर! यानी हमको आर्मी से भी बड़ी चीज के बारे में सोचना होगा!

"और सौभाग्य से मैं ऐसी एक यूनिट को जानता हूं!"
मिस्टर नागराज शाह! मैनेजर ऑफ स्नेक आईज?
यस?
हैलो, मिस्टर शाह! मैं वेस्टर्न आर्मी कमांड का इंचार्ज ब्रिगेडियर जनरल सैम हांडा हूं! हमने सुना है कि स्नेक आईज के गार्ड्स हाईली ट्रेंड हैं और वे किसी चीज से भी नहीं डरते!
सिवा मेरे...!
ऑफ कोर्स! हाहाहा! हम आपको एक कॉन्ट्रैक्ट देना चाहते हैं! राजनगर के तट के पास उभरे प्राचीन नगर के बारे में तो आपने सुना ही होगा!
सुना है! और उसके बारे में कुछ अफवाहें भी सुन रहा हूं!
वे अफवाहें सच हैं! हमारे सैनिक तक नाकाम रहे हैं! अब उसकी सुरक्षा का जिम्मा हम आपकी एजेंसी को देना चाहते हैं!
आप जो भी चार्जेस बताएंगे, हमें मंजूर होंगे।
देश की धरोहर की सुरक्षा का दाम लगाना मुझे नहीं आता! उसकी सुरक्षा करना हमारा सौभाग्य होगा!

महानगर—
ये देखो, स्टूडेंट्स! ये हमारी वैज्ञानिक तरक्की की एक बहुत बड़ी यादगार है। हजारों वर्ष पूर्व बनाया गया फ्रीक्वेंसी सिंक्रोनाइजर! उस वक्त इसका क्या नाम था यह हम नहीं जानते।
इससे क्या करते थे, सर?
ये बताना जरा मुश्किल है बेटे!
इसीलिए आज के लोग प्राचीन वस्तुओं का विश्लेषण कर ही नहीं पाते।
MUSEU
इनकी बातों पर यकीन न करना बच्चों। आज से चार साल पहले जब मैं यहां आया था तब इस यंत्र के ऊपरी हिस्से में एक दरार थी। क्रैक! पर अब वह क्रैक गायब है।
व्हाट! क्रैक अपने आप कैसे भर सकता है।
पर चीज तो बदली जा सकती है ना! ये प्राचीन चीजों के यहां पर मॉडल रख कर हम को बेवकूफ बनाते हैं।
मुझे तो लगता है कि ये पूरा म्यूजियम ही एक बड़ा धोखा है। हमको ये यकीन दिलाने के लिए कि प्राचीन काल में हमारी सभ्यता आज से कहीं ज्यादा उन्नत थी।
मुश्किल स्वाभाविक थी! प्राचीन लेखों के अनुसार प्राचीन काल में हमारा विज्ञान काफी उन्नत और सरल था! पर वह सारा ज्ञान न जाने कहां खो चुका है।
हम तो जो बुक्स में लिखा है वही पढ़ाते हैं। आओ आओ बच्चो। इनकी बातों पर ध्यान मत दो।
क्या उस आदमी की बात सच हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो गजब हो जाएगा! असली बात का पता करना ही होगा।
म्यूजियम को तुरंत खाली करवाओ और यहां पर हर तरह की एंट्री बैन कर दो!
क्यों, सर? कोई बम मिला है क्या?
बम चोरी हुआ है।
कौन सा बम सर? म्यूजियम में तो बम का एग्जिबिट है ही नहीं।
जितना कहा गया है उतना करो! क्विक!
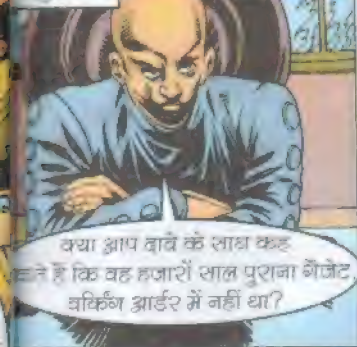
ही गूंज
रही थी जो तीन चार साल पहले
चुका था।
क्या आप दावे के साथ कह सकते हैं कि वह हजारों साल पुराना गैजेट, वर्किंग आर्डर में नहीं था?
स्पष्ट है कि नहीं होगा! मुझे पक्का यकीन है कि कोई उसको स्मृति चिन्ह के तौर पर ले गया है।
इस निशान को पहचानते हैं आप?
इसको तो बच्चा-बच्चा जानता है। यह विश्वव्यापी कट्टर आतंकवादी संगठन सारनदे का निशान है।
यह निशान नकली मॉडल पर गुदा था।
यानी...वह यंत्र सारनदे ले गया है, पर वे उस यंत्र का करेंगे क्या? वह तो बस एक एंटीक पीस की तरह करोड़ों में बिक सकता है। वैसे भी उसका लीडर तो सर्टिफाइड पागल है।
सारनदे का लीडर मैग्नम पागल नहीं है, जनूनी है। वह यह सच में यकीन करता है कि आज से हजारों वर्ष पहले का विज्ञान आज से काफी उन्नत था। इसीलिए वह हमारी प्रगति के सारे निशानों को मिटा कर लोगों को उसी युग में ले जाना चाहता है।
मैग्नम कोई प्लान बना रहा है। बहुत बड़ा प्लान! और समय रहते उस प्लान का पता चलना और उसका ध्वस्त होना बहुत जरूरी है।
वर्ना हम सभी ध्वस्त हो जाएंगे।
पर उसको रोकेगा कौन?
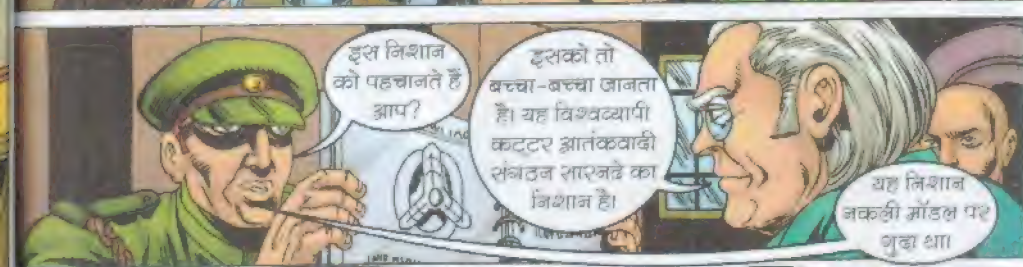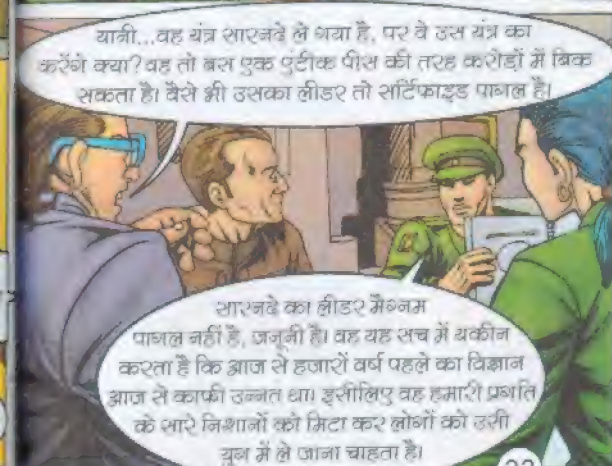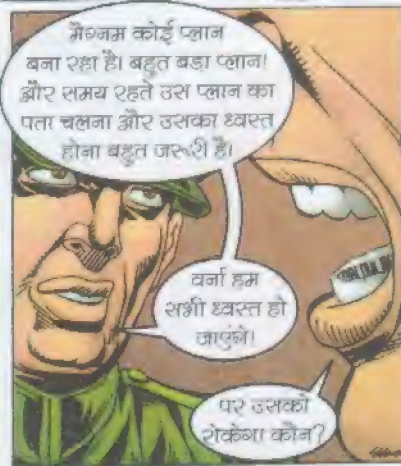
क्या ख्याल है आपका मिस डांगी? ये शहर बाकी प्राचीन नगरों से एक दम अलग लगता है या नहीं?
मुझे तो ये एकदम अजीब लग रहा है। जैसे परसों ही बना हो और कल पानी में डूबा हो।
मेरी गणना के अनुसार यह शहर दस हजार वर्षों से भी अधिक पुराना है।
और यहां पर मुझे मिस डांगी कहने की कोई जरूरत नहीं है। यहां पर हमारे अलावा कोई सुनने वाला है ही नहीं।
नहीं मिस डांगी। मुझे यहा पर कई उपस्थितियों का आभास हो रहा है। यह नगर अभी तक आबाद है।
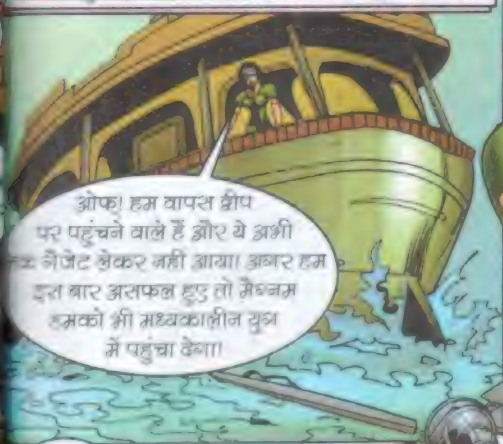
कंपन आते महसूस हो रहे हैं।"
ओफ! हम वापस द्वीप पर पहुंचने वाले हैं और ये अभी तक गैजेट लेकर नहीं आया। अगर हम इस बार असफल हुए तो मैग्नम हमको भी मध्यकालीन युग में पहुंचा देगा।
निश्चिंत रहो। हम सही समय पर आ गए हैं। हमको इस खिलौने को लाने में जरा सा समय लग गया।
चलो ठीक है। पर इस बार हमारे सामने कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए।
तुमको पक्का पता है कि उस द्वीप पर हमें देखने वाला अब कोई नहीं होगा।
नहीं होगा। अगर आर्मी वहां से डर कर भाग गई तो फिर कौन उस द्वीप पर जाने की हिम्मत करेगा।
पर मैं फिर भी कोई चांस लेना नहीं चाहता।
अगर उस द्वीप पर कोई मरी मछली भी होगी तो हमें पता चल जाएगा।"
अभी तक इस द्वीप पर कोई नजर नहीं आ रहा है।
अच्छी बात है। क्योंकि हमें अब इस नगर के केंद्र तक जाना है। और उसमें वक्त लग सकता है।
हमें जल्दी करनी होगी। क्या हुआ?
यहां पर कोई है?
कौन? कौन है जो आर्मी से भी ज्यादा हिम्मती है?
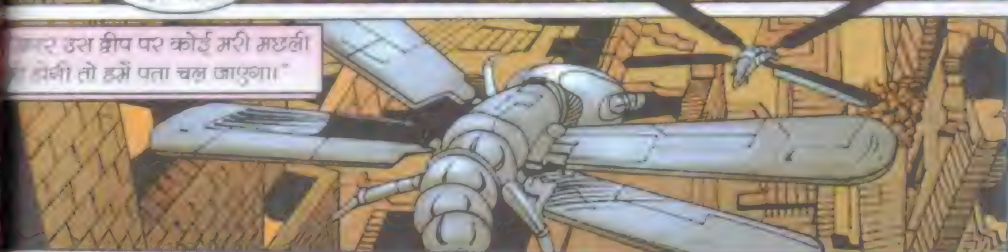
पता नहीं। शायद खजाने की खोज में आए लुटेरे हों।
सिर्फ वही ऐसे शख्स हैं जिनका लालच उनको हिम्मत देता है।
पर लालच सिर्फ हिम्मत ही नहीं...
...मौत भी देता है।
ये द्वीप बहुत बड़ा है। हम उनको नजर अंदाज भी तो कर सकते हैं।
नहीं। वे ठीक वहीं पर खड़े हैं, जहां पर हमें जाना है।
एक मिनट! उन्होंने अब तक तुम्हारी ग्लाइडर आईज को देखकर किसी को इंफॉर्म तो नहीं कर दिया होगा।
नहीं!
इतने पक्के यकीन क कारण।
"क्योंकि वे उनको देख ही नहीं सकते।"
क्या देख रहे हो शाह?
मुझे तरंगें महसूस हो रही हैं। शक्तिशाली तरंगें।
खतरा है।

ऊम्मम फफफ!
आई घघघघ!
आSSSह!
हो गया अपना रास्ता
फ। अब चलो। इससे पहले
कुछ और लालच के मारे
यहां आ धमकें।
हमको अपना
काम पूरा...
...कर लेना
चाहिए।
ओफ। ये क्या हुआ
था। एक पल के लिए आंखों के
आगे अंधेरा छा गया था।
इन पर गामा
रेज का कोई असर नहीं
हुआ। क्यों?
गामारेज से तो
कोई भी इंसान नहीं
बच सकता।
जानता हूं।
इसका सिर्फ एक
ही अर्थ है।

और वह यह कि ये मानव नहीं हैं।
अच्छा हुआ कि मैंने सही समय पर कवच एक्टीवेट कर दिया! ये हमको नहीं देख सकते। चलो!
अब फटाफट अपना काम करो और यहां से निकल लो।
यहां पर कुछ है! मुझे मिलने वाली तरंगें और भी ज्यादा शक्तिशाली हो गई हैं।
वह शख्स ये भूल गया कि वे तो इन सर्पों की नजरों से ओझल हो सकते थे
लेकिन जमीन ओझल नहीं हो सकती थी।
चिंता की बात नहीं है। ये हमें न तो देख सकते हैं। और ना ही महसूस कर सकते हैं।
और हम भी इनको छू नहीं सकते! ये ठीक उसी जगह पर खड़ा है। जहां पर हमको काम करना है। अगर काम पूरा करना है तो हमें सामने आना ही होगा!
यहां पर कुछ है!!
कोई दिक्कत तो नहीं होगी न!
कोई नहीं। यंत्र तुम रखो! मैं इनको संभाल लूंगा और अगर मार न पाया तो दूर ले जाऊंगा।

amaan.cooldude18
तुम अपना काम कर लेना।
तो ये बात थी। यहां पर जो कुछ भी है। जमीन के नीचे है!!
आह!! पर ये आक्रामक क्यों है? हमने तो इस पर हमला नहीं किया।
उन सैनिकों ने भी नहीं किया था, जिनकी इसने अकारण जान ले ली।
इसके अंदर काफी गर्मी है।
इसको ठंडा करना जरूरी है।
अरे कहां गया?

अरे! क्या किया तुमने इसके साथ?
बस इसके दिमाग में पैदा होने वाले इलेक्ट्रिक सिग्नल्स को ब्लॉक कर दिया।

अगर तुम चाहो तो मैं तुमको भी ऐसी ही अच्छी नींद दिला सकता हूं। अमोर इस काम में एक्सपर्ट है।
अमोर?
छोटा सा नाम है मेरा।

अपने नाम को थोड़ा सा बड़ा कर लो।

अमोर की जगह जो मोर रख लो।

अमोर अपना नाम बढ़ाता नहीं बल्कि दूसरों का मिटाता है।

तुममें कुछ अलग बात जरूर है! लेकिन फिर भी तुम मेरे तंत्र वार से नहीं बच पाओगे।
तंत्र-मंत्र की ध्वनिक शक्तियों को हम डीकोड कर चुके हैं।

और उनको अपने अनुसार प्रयोग करने का तरीका भी ढूंढ चुके हैं।
ऐसे।
अरे! इसकी मौत तूने अपने ऊपर ले ली!! चलो! मरना तो तुझे भी था ही।
कोई बुराई नहीं...?
नहीं! ये...ये नहीं हो सकता!!
भला नागराज यहां पर कैसे आ सकता है?
तू...तू नागराज नहीं हो सकता। ये... ये धोखा है।

ये वही फोटॉन फ्लेशर हैं, नागराज पर इस बार तू इनसे नहीं बचेगा।

इस बार?

इन किरणों का असर मुझे नहीं पता। इसीलिए सबसे पहले इनको अपने तक पहुंचने से रोकना होगा।

अरे! किरणों का स्पर्श होते ही ईंट कोयले में बदल गई! पल भर में! बड़ा घातक असर है फोटॉन रेज का!

फोटॉन्स रे के पहले ब्लास्ट से तो तू बच गया, नागराज! पर अब बम तेरे चारों तरफ एक साथ फटेंगे। इनसे तू कैसे बच पाएगा?

बचने का रास्ता तो था।

पर बमों को जमीन तक पहुंचने-

टकराने-

amaan.cooldude18
सौडांगी! तुम मेरी मदद करने पर ध्यान लगाने के बजाय इसके जैसे औरों को ढूंढने में लगाओ मुझे शक है कि ये अकेला नहीं आया है।
कहीं ऐसा तो नहीं कि हम इससे उलझे रह जाएं और कोई और अपना काम करके निकल जाए।
सही कहा, नागराज मुझे भी कुछ ऐसा ही शक है। पर अगर यहां पर कोई भी है तो वह तंत्र चक्षु से बच नहीं पाएगा।
शक की पुष्टि हुई। यहां पर इसकी गर्ल फ्रेंड भी है।
आह! ये...ये मामूली तंत्र नहीं है। यह मेरे अदृश्य रूप को भी उजागर कर रहा है और मुझे बांध भी रहा है।
ठीक समझी! तेरे बॉयफ्रेंड ने मुझे मेरी कमजोरी जैसे ही बताई, मैंने अपने तंत्र वारों का स्टाइल चेंज कर दिया।
अब बताओ क्या है ये चीप? कौन हो तुम लोग? और क्या हो रहा है यहां पर?
तुम तो ऐसे पूछताछ करने लगी जैसे मैं वाकई तुम्हारी हिरासत में आ गई हूं।
वैसे यहां जो कुछ भी हो रहा है उससे तुम्हारा कोई संबंध नहीं है। न फायदा न नुकसान।
इसीलिए भलाई इसी में है कि जब तक जान तुम्हारे शरीर के अंदर है तब तक यहां से चले जाओ तुमको कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। ये टाटीना का वादा है।
टाटीना। काफी चटपटा नाम है। चलो! हम चले जाएंगे। पर तुमसे रिटर्न गिफ्ट जरूर लेंगे।
गिफ्ट? मेरे पास उपहार देने के लिए कुछ भी नहीं है।
है ना! ये... अनोखा सा पुराना सा गैजेट।
ये दे दो, हम शांति से वापस चले जाएंगे। ये सौडांगी का वादा है।
अब तुम इतनी जिद कर रही हो तो कुछ न कुछ तो देना ही पड़ेगा।
और इस वक्त मेरे पास तुमको देने के लिए सिर्फ एक ही चीज है।
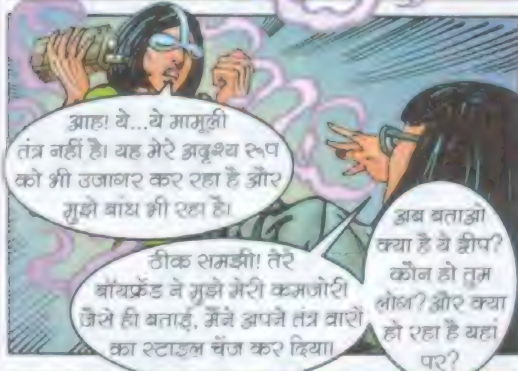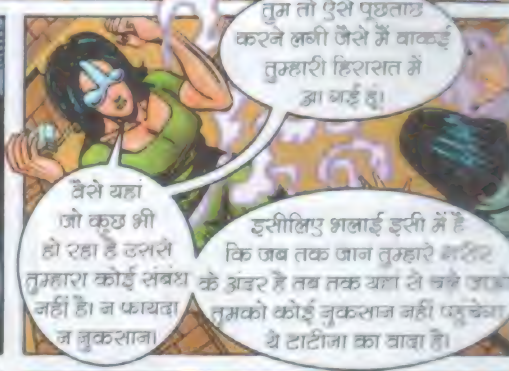
मौत!
सौडांगी!
ये वार अस्थायी था। इसको वापस आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। अमोर ने भी नागराज को उलझाया हुआ है। इसी बीच मुझे अपना काम कर लेना चाहिए।
पता नहीं काम ठीक से हो पाया है या नहीं। लेकिन इस स्थिति में इससे बेहतर कुछ नहीं किया जा सकता।
खास तौर से जब तक नागराज यहां पर हो साक्षात...।
उपस्थित।
तू...तू उड़ सकता है। वह भी बगैर प्रोपेलर स्नेक्स के!!
तुम काफी ऊलजलूल बक रहे हो। अब मैं पूरी स्थिति तुम्हारे मुंह से सुनना चाहता हूं। और वह भी सिलसिलेवार तरीके से।
तुम गायब कैसे होते हो, यह तो मुझे नहीं पता! पर जब तक मुझे सच्चाई और सौडांगी दोनों नहीं मिल जाते, तब तक तुम गायब नहीं हो सकते।
आऽऽऽह! विद्युत सर्प!! ये मुझे अपने हथियारों से संपर्क नहीं करने दे रहे हैं।

मेरा काम तो पूरा हो गया है। पर अमोर को यहां छोड़ कर जाने का अर्थ है पूरे ऑपरेशन को खतरे में डालना!
अब मुझे भी इस लड़ाई में कूदना होगा।
नागराज ने दोनों हमलावरों को अपने शिकंजे में कस लिया था। उनका भाग पाना असंभव था।
पर उनका रुक पाना भी उतना ही नामुमकिन था।
अब सारा खेल किस्मत पर निर्भर था।
और किस्मत अमोर और टाटीना के साथ थी।
रुक जाओ, नागराज। मुझे और अमोर को आजाद करो।
वर्ना मैं इस लड़की को इसकी जिंदगी से आजाद कर दूंगी।
सौडांगी वापस आ गई।! मैं इसकी जिंदगी के साथ कोई खतरा मोल नहीं ले सकता।
ठीक है। मैं अपने सर्पों को वापस बुला लेता हूं। तुम इसे छोड़ दो।

अभी मुझमें इतना दम है कि अपने आप को जिंदा रख सकूं।
अमोर! तैयार रहो! मैं ESCAPER को एक्टिवेट कर रही हूं।
भागने की कोशिश कर के भी देख लो! मेरी तंत्र शक्ति तुमको भागने नहीं देगी।
आऽऽऽह! ये सचमुच मुझे जाने नहीं देगी। और अगर हम समय पर सूचना M तक नहीं पहुंचा पाए तो...
ऐसा नहीं होगा! सूचना पहुंचाने के लिए मुंह की जरूरत होती है।
हाथ की नहीं।
मैं समझ गई, अमोर! अब हमारा मुंह M तक जरूर जाएगा।

कमाल है। ऐसा तो मैंने पहली बार देखा है। भागने के लिए हाथ कटाना तक मंजूर कर लिया।
ये महाविशाल द्वीप और फिर उस पर कई किस्म के प्राणियों का आना। और फिर ये घटना। मामला बहुत गहरा है।
मुझे लगता है ये द्वीप कोई खतरनाक आपदा लेकर आया है। अब इसकी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम करना पड़ेगा।
Z+ कैटेगरी का इंतजाम! अब से इस द्वीप के चप्पे-चप्पे पर हमारे गार्ड्स तैनात रहेंगे।
और तुम?
मैं अपने आप को फ्री रखना चाहता हूं।
"ताकि अगर कहीं से कोई इमर्जेंसी कॉल आए तो मैं तुरंत वहां पर पहुंच सकूं।
"अभी जो कुछ हो रहा है उसे देखकर यही लगता है कि मुसीबत सिर्फ यहीं नहीं, कहीं और पर भी आ सकती है।"
"किसी भी समय।"
समझ में नहीं आया कि इसी जगह को ऑपरेशन के लिए क्यों चुना गया!
इस डैम रिजर्वॉयर की गहराई दो किलोमीटर है। और पानी का बहाव तीस फीट प्रति सेकेंड।
और हमको अपना काम इसके तल तक पहुंच कर करना है।

"कि M से ज्यादा तेज दिमाग वाला आज तक पैदा नहीं हुआ।"
वह इसीलिए ताकि अगर एक बार हमने अपना काम पूरा कर लिया तो फिर हमारे काम को बिगाड़ने के लिए कोई वहां तक पहुंच नहीं पाएगा।
और अगर ये काम आसान होता तो M हमको कभी नहीं चुनता M की समझदारी पर भरोसा रखो! ये तो M के दुश्मन भी मानते हैं...
आह! धार बहुत तेज़ है।
और जैसे-जैसे हम नीचे जा रहे हैं पानी का दबाव बढ़ रहा है।
पर ये आदेश M का है। इसे हम जान देकर भी पूरा करेंगे।
तुम लोगों को हर बार काम पूरा करने के लिए जान क्यों देनी पड़ती है।
ये कौन बोला? तू बोला यूनिट 4?
नहीं ये आवाज तो...
नागराज की लगती है।
इस पर ध्यान मत दे। ये सिक्योरिटी वालों की ट्रिक है। उन्होंने शहर में भी जगह-जगह पर नागराज की इंटर एक्टिव वॉयस रिकार्डिंग के गैजेट फिट करवा रखे हैं।
उससे नागराज की सिर्फ आवाज आती है और वारदात करने वाले को ऐसा लगता है कि नागराज ईच्छाधारी अदृश्य रुप में कहीं आस-पास ही है! वह डरकर वारदात को अंजाम नहीं दे पाते।
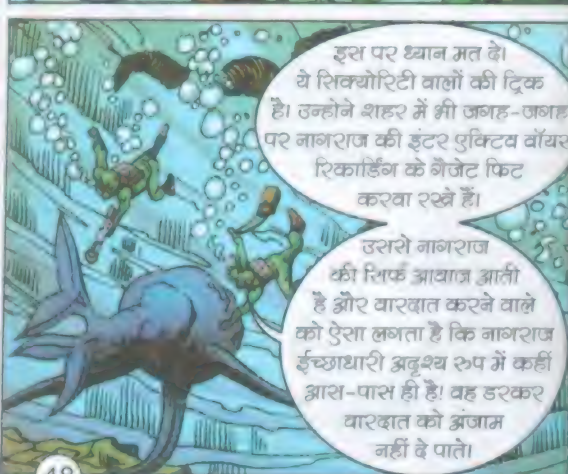
पर ये तो नागराज नजर आ रहा है पानी में घुला हुआ।
ये...ये नागराज की नई चाल है। इसने हमसे ना जाने कितनी शक्तियां छुपाई हैं। जब देखो कोई नई शक्ति निकाल लाता है।

नागराज कितनी भी चालें चल ले, पर मैग्नम इससे हमेशा एक कदम आगे की सोचकर चलता है।
इसीलिए नागराज कभी मैग्नम तक नहीं पहुंच पाया!
नागराज का अति आत्मविश्वास आज उस पर भारी पड़ गया था!
यही वो जगह है जहां पर हमें अपना काम करना है।
पर हमें करना क्या है। जल्दी बताओ। अब मैं ज्यादा देर तक इस गहराई का प्रेशर झेल नहीं पाऊंगा।
तेरी याददाश्त कमजोर है क्या? जब मैं प्लान समझा रहा था तो तू सो रहा था क्या?
या भूलने का नाटक कर रहा है। क्योंकि ड्रिल तो तुझे ही करनी है न! जल्दी कर। नागराज को वापस आने में ज्यादा टाइम नहीं लगेगा!
पर कितना बड़ा होल? होल के अंदर रखना क्या है?
ये थर्मल-ब्लास्टर। इसके साईज का होल ड्रिल कर।

बस, एक नजर डाल मेरी शक्ल पर।

नागराज!! तू तो वहां ऊपर बर्फ में कैद था?

वो सिर्फ मेरे शल्क थे। पानी में घूमते मेरे शल्क बर्फ में ढक गए और मैं यहां आ गया! तुम्हारे ही साथी के सूट में।

पर टैंस गया कहां?

किसी के काम आ गया! भूख मिटा रहा होगा किसी जानवर की।

जैसे कि अब तुम मिटाओगे। तुम लोगों का प्लान जानने के लिए तुम लोगों को यह विश्वास दिलाना बहुत जरूरी था कि मैं आया और नाकाम रहा! बर्फ में कैद होकर रह गया!

नागराज का आतंकहर्ता रूप नजर आने लगा था।

आऽऽऽह!
जो पुलिस भी था। जज भी और जल्लाद भी।
यही बम लगाकर तू, डैम को उड़ाना और महानगर में प्रलय लाना चाहता था न! ये अभी भी फट सकता है!
कमाल है। तू अभी तक जिंदा है। मैंने तो सोचा था कि अब तक तू डर से मर गया होगा।
चल अच्छा ही है। क्योंकि तेरे लिए मैंने वह मौत सोच रखी है...
जो मैग्नम ने महानगर वालों के लिए सोची थी।
यानी जल समाधि।

हम हवा में रहें या पानी में, फर्क नहीं पड़ता।
प्रस्तर्प नाग! तो तुम भी जा मिले हो मैग्नम से। और... तुम्हारे यहां पर होने का अर्थ यह है कि मैग्नम को मेरे आने का भरोसा था।
मैं उसी के साथ हूं जो मेरे अनुकूल माहौल बनाएगा! ईच्छाधारी रूप तो सिर्फ सौ वर्षों में मिल जाता है नागराज और सहस्त्रधारी रूप हजार वर्षों में। पर प्रस्तर रुप दो हजार वर्षों में मिलता है।
मैंने मानवों की प्रगति के कारण कई प्रजातियों को मरते देखा है। और मैग्नम इस प्रगति का रुख वापस मोड़ना चाहता है। इसीलिए मैं उसके साथ हूं।
एक सनकी खून के प्यासे हत्यारे के साथ। होश में आओ, प्रस्तर्प! प्रगति की या विनाश की धारा हम न चलाते हैं न मोड़ते हैं।
कई मानव खुद भी अन्य प्रजातियों पर किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ हैं। पर उनको रोकने का तरीका उनकी सामूहिक हत्या नहीं हो सकता! मैग्नम को मैं ऐसा नहीं करने दूंगा।
और मैं तुमको उसे रोकने नहीं दूंगा!

धर्मल बम अभी भी आधा सलामत है! इस डैम का तोड़ने के लिए आधा ही बहुत है।
डेम टूटने से पहले...
मैं तुझे तोड़ दूंगा।
तुम्हारे नाग स्टील से भी ज्यादा मजबूत हैं, नागराज! पर प्रस्तर्प का चट्टानी शरीर ज्यादा कठोर है।
तुम्हारा शरीर प्रस्तर्प के कठोर शस्त्रों को सहने योग्य नहीं है।
और ये शस्त्र मेरे विष में बुझे हुए हैं। ये तेरे शरीर के स्नायु तंत्र को जगह-जगह से काटकर तेरे शरीर को पंगु कर देंगे...
और मेरा अनोखा विष तेरे दिमाग को!
उसके बाद मैं तुझे बहुत धीरे-धीरे मारूंगा। उतना ही तड़पा कर जितना मैं तड़पा हूं।

amaan.cooldude18
...रा प्रतिरोधक तंत्र मेरे स्नायु तंत्र को भी ...ठीक कर लेगा और इसके विष की काट भी बना लेगा पर उसके लिए मुझे थोड़ा वक्त चाहिए और वक्त के लिए...
...मुझे अपने शरीर को फैलाकर इस विष के शरीर में फैलने की गति को धीमा करना होगा।
और साथ ही साथ प्रस्तर्प की भी।
आह!
पानी की अभेद्य दीवार!
नागराज संभल रहा है। अगर एक बार यह संभल गया तो ये मुझे संभलने नहीं देगा।
मेरे पाषाण नाग, नागराज द्वारा खड़ी की गई पानी की दीवार को काट कर उस तक पहुंच जाएंगे।

amaan.cooldude18
...त होगी नागराज के अंत की।"
"ये सर्प भी मेरी तरह जीवित पाषाण कोशिका से बने हैं।..."
"इसीलिए ये बहुत तेजी से द्विगुणित होंगे।"
"और देखते ही देखते नागराज का फैला हुआ शरीर"
"इनकी कैद में होगा! गेहूं की तरह दो पाटों के बीच में पिसने के लिए तैयार।"
देखता जा, नागराज! अब इस डैम का और तेरा अंत एक साथ ही होगा! तल में छेद तो मैंने कर दिया है।
अब बस थर्मल बम को सीक्रेट कोड से एक्टीवेट करना है। ये दो मिनट बाद फटेगा और इसकी लेजर रेज डैम की दीवारों को कागज की तरह काट डालेंगी!

कुछ ऐसा ही हाल तेरा होगा।
और तेरी मौत की खबर से पहले महानगर वालों तक खुद मौत पहुंच जाएगी।
तुम ऐसे भाग नहीं सकते, प्रस्तर्प! या तो तुम मुझे कोड बताओगे ताकि मैं थर्मल बम को बंद कर सकूं!
या फिर तुम मेरे साथ...
...यहीं पर मरोगे!
कमाल की शक्ति है तुममें, नागराज! शारीरिक भी और मानसिक भी! पर ये शक्तियां अब तेरे काम नहीं आएंगी।
क्योंकि पाषाण सर्प तुझे पीस कर तेरा कचूमर बना देंगे!
आह!
पानी के भीषण दबाव को तो नागराज अब तक किसी तरह सह रहा था-
...पर पाषाण सर्पों का दबाव उसकी सहन शक्ति को भी तोड़ रहा था।

ठीक है प्रस्तर्प! अगर मैं नहीं बचा, महानगर नहीं बचा, तो तुम भी नहीं बचोगे!!
फटने दो बम को!
छोड़...छोड़ दे, नागराज! जाने दे मुझे!
तू बम को बगैर डिफ्यूज किए यहां से नहीं जा सकता!
मैंने ऐसा किया तो मैग्नम मुझे जिंदा नहीं छोड़ेगा!
वैसे भी...
थर्मल ब्लास्टर को एक बार एक्टीवेट हो जाने के बाद बंद नहीं किया जा सकता!
अब तो ये फट कर ही रहेगा!
चाहे मैं मरूं या जिऊं!
वैसे तू अपनी और महानगर वालों की चिंता कर! मुझे तो यह थर्मल ब्लास्ट भी ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा!
बम फटे या न फटे, सोचने का यह मुद्दा नहीं है...
मुद्दा यह है कि बांध को टूटने से कैसे बचाया जाए?
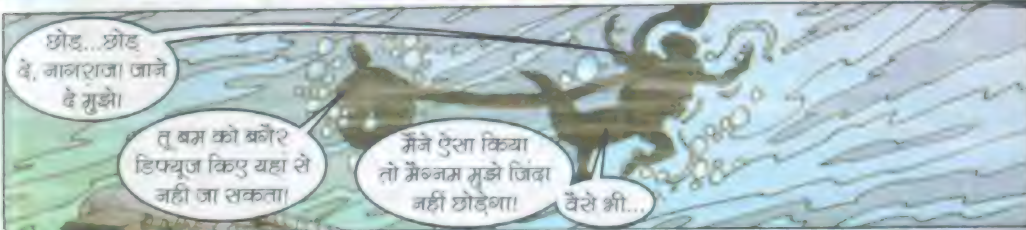
बिंगो! मुझे अंदाजा था कि प्रस्तर्प का मजबूत शरीर बम के खतरनाक प्रभाव को ज्यादा दूर तक फैलने से रोक लेगा।

मेरे शरीर पर लिपटी जहरीली कोशिकाएं भी इसी के प्राणतंत्र से जुड़ी हुई थी। इसीलिए इसके नष्ट होने के साथ-साथ मेरे शरीर पर लिपटी इसके पाषाण सर्पों की कोशिकाएं भी नष्ट हो रही हैं!

पर प्रस्तर्प सिर्फ नष्ट हुआ है। मरा नहीं है। उसकी कोशिकाओं को फिर से जुड़ने में चाहे समय लगे पर वे जुड़ेंगी जरूर! प्रस्तर्प वापस आएगा।

पर अभी तो मुझे उसका धन्यवाद करना चाहिए। सच पूछो तो यह बांध उसी के कारण बच पाया है।

शाबाश, नागराज।
अगर तुम प्रस्तर्प के हाथों मारे जाते तो मुझे बहुत अफसोस होता।
सच पूछो तो मेरा जिंदगी जीने का मजा ही खत्म हो जाता।
और फिर धरती वालों तक मेरा संदेश कौन पहुंचाता।
मैग्नम!
पहले मुझे थैंक्यू बोलो।
दरअसल जिस मुखबिर ने तुमको डैम उड़ाने की योजना की खबर दी थी, उसको खबर हमने खुद ही दी थी।
यानी...तुम चाहते थे कि मैं यहां पर आऊं और इनको डैम उड़ाने से रोकूं? पर क्यों?
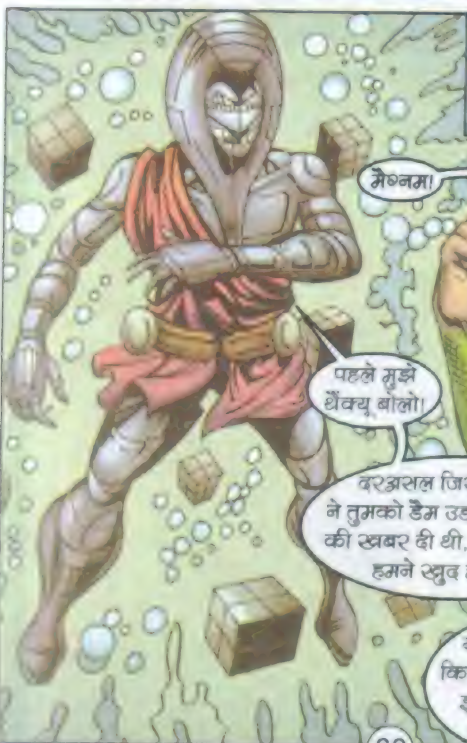
यह तुम समझ सकते तो मैग्नम बन जाते!
यानि...तुम चाहते थे कि मैं यहां पर आऊं! यानी इस वक्त मैं यहां पर रहूं! और तुम कहीं और अपना काम आराम से कर सको!
लो, तुम तो समझ गए! वैसे, मेरा काम हो चुका है!
अब पूरी दुनिया की जान मेरी मुट्ठी में है!
तीन सौ करोड़ जिंदगियां सिर्फ तब तक जिंदा हैं जब तक मेरा इशारा नहीं होता! और यही खबर तुमको इस दुनिया को चलाने वाले अपने आकाओं तक पहुंचानी है!
सुनो!...
मैग्नम बोलता गया और नागराज की आंखें फैलती चली गईं!
ऐसा...ऐसा नहीं हो सकता तुम ऐसा कर ही नहीं सकते!!
मैंने ऐसा कर दिया है! और अब दुनिया वालों के पास मेरी शर्तें मानने के लिए सिर्फ एक महीना है! सिर्फ पैंतीस दिन!...
अब तुम सोच रहे हो कि इस फोल्ड क्यूब में मौजूद फ्रीक्वेंसीज की मदद से तुम मुझे ट्रेस कर लोगे!
पर पहले तुम अपना हाथ बचाओ! क्योंकि काम हो जाने के बाद यह हो जाता है...
सेल्फ डेस्ट्रक्ट!
ओफ्! इतनी गलतियां! तीन सौ करोड़ की आबादी और पैंतीस दिनों का महीना! और उस पर से माथे पर कवच लगाए नागराज!!
ये गलतियां ही हैं या हम गलत समझ रहे हैं!! कहीं हमारी दुनिया किसी तरह से बदल तो नहीं गई!

और अगर अब तक नहीं बदली तो क्या ये सारे संकेत बदलाव के हैं। अगर हैं तो ये याद रखना बहुत जरूरी है कि बद
का रास्ता अक्सर विनाश के द्वार
होकर जाता
मैग्नम ब्लफ मार रहा है। वह ऐसा कर ही नहीं सकता!
मत भूलिए गवर्नर साहब कि उसके पास फ्रीक्वेंसी माड्यूलेटर है। और मुझे पूरा यकीन है अब तक उसने उस गैजेट के कई प्रतिरुप बना लिए होंगे।
वह इसी बात का फायदा उठा रहा है। यह कोई नहीं जानता कि वह गैजेट काम करने लायक था भी या नहीं।
उसने कहा है कि अगर तीस घंटे तक उसको कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो वह अपनी शक्ति का नमूना दिखा देगा।
अगर वह सच कह रहा है तो कयामत के बटन पर मैग्नम ने अपनी अंगुली रखी हुई है। और हम उसको रोक नहीं सकते।
रोक सकते हैं। सिर्फ एक रास्ता है। हमको तीस घंटों के अंदर-अंदर मैग्नम तक पहुंचना पड़ेगा।
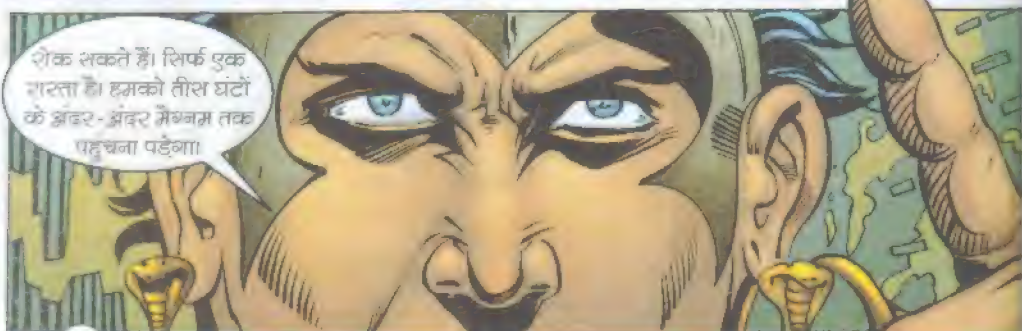
"पूरी दुनिया के चप्पे पर फैल जाओ।"
मरने या मारने का वक्त आ गया है मेरे नागों...
"और मैग्नम के हर ठिकाने को तबाह कर दो। चूहा तभी बिल से बाहर आता है।
"जब बिल में पानी भर जाता है।"
पर तब कोई क्या करे-
जब चूहा बिल में ही ना हो।
हमने मैग्नम के सभी ज्ञात ठिकानों पर रेड की पर कुछ पता नहीं चला! बल्कि कुछ ठिकानों पर तो मुझे ऐसा लगा जैसे कि मैग्नम को हमारे आने की खबर हो गई हो और वह तुरंत-तुरंत ही वहां से निकला हो।
इसका मतलब कोई हमारे मूवमेंट की खबर मैग्नम तक पहुंचा रहा है। कौन हो सकता है वह शख्स!
इसी का तो पता लगाना है, सौडांगी। अगर हम उस शख्स तक पहुंच गए तो मैग्नम भी हमारे सामने होगा।
मैग्नम का पता सिर्फ एक शख्स जानता था!-

खुद मैग्नम।
MATCHING IN PROGRES
हमने पूरी कोशिश की मैग्नम। पर पता नहीं हम अपने प्रयास में पूरी तरह से सफल हो पाए या नहीं।
हमें नागराज का सामना करना पड़ा।
हमारी इच्छा तो उससे लड़ते हुए जान देने की थी पर आपके आदेश के अनुसार हम अपने अंगों का बलिदान करके आपको सूचना देने के लिए वापस आए!
तुम असफल नहीं हुए। मुझे पुराने नगर से सिग्नल मिल रहे हैं। अब बस फ्रीक्वेंसी मैच करनी है।
MATCHING 90%.COMPLETE
MATCHING 90%. COMP
MATCHING 100%. DONE
MATCHING 10
आह!..आह!!... आSSSह!!
फ्रीक्वेंसी मैच हो गई!! अब..अब दुनिया को घुटने टेकने ही पड़ेंगे। उसे मेरे नियमों के अनुसार चलना ही होगा।
चाहे मन से या मर-मर के।

amaan.cooldude18
देने का वक्त आ गया है।"
यहां का मैंने चप्पा-चप्पा छान मारा है। यहां पर...
उधर कोई है।
मैडम को खबर करो तुरंत! तब तक हम देखते हैं।
मैडम, यूनिट 23 से बोल रहे हैं। हम सेक्टर 48 में हैं। यहां पर कोई छुपा हुआ है।
कौन? कैसा है वह?
अभी देखा नहीं है, मैडम! हम उसी के पीछे...
...जा रहे हैं, मैडम!
हे शेषनाग...
इस प्रजाति का प्राणी तो मैंने पहले कभी नहीं देखा... मैडम।

फिर एक और बोर दिन! जाकर कंट्रोल पेनल के सामने बैठ जाओ और नजरें दौड़ाते रहो। कुछ एक्साइटिंग होना चाहिए यार!
हां यार! पिछली बार पावर यहां सौ साल पहले गई थी। वह भी पांच मिनट के लिए!
सुन हड़ताल करते हैं।
किस बात पर? सेलेरी मोटी है। सारी सुविधाएं फ्री में मिलती हैं। और क्या चाहिए?
तो फिर भगवान से दुआ मना कि भूकम्प आ जाए और ये बिल्डिंग ही गिर जाए! एक्साइटमेंट भी होगा और छुट्टी भी मिलेगी।
भगवान तो नहीं...
पर शैतान जरूर उसकी सुनने वाला था।
CENTRAL POWER GRID
सुनो महानगर के वासियों! तुम्हारी एडमिनिस्ट्रेटिव काउंसिल को मैंने अपनी शर्तें मानने के लिए एक दिन का समय दिया था। अब उसमें सिर्फ पांच मिनट बचे हैं.
लो नागराज। तुम यहां पर हमको अपनी नाकामयाबी की खबर सुनाने आए थे और वहां पर मैग्नम अपनी कामयाबी का लहराता झंडा दिखा रहा है।
अभी पता चल जाएगा कि ये ब्लफ मार रहा है या नहीं।
ये इसको पकड़ने का अच्छा मौका है, काउंसिलर!
मैग्नम इतना मूर्ख नहीं है। ये उसकी लेजर इमेज है। इसके पास जो कुछ भी जाएगा खाक हो जाएगा!
इस इमेज को ट्रेस करो! पता करो कि ये कहां से प्रोजेक्ट की जा रही है।
ये इस ड्रामे का सिर्फ आधा भाग था
बाकी आधा भाग यहां पर खेला जाना था।
समझ में नहीं आता। पहले से ही गिरने के लिए तैयार इमारत को गिराने के लिए ये नमूने कहां से आ रहे हैं और क्यों आ रहे हैं?
हमारा काम सवाल पूछना नहीं सुरक्षा करना है। और वह हम अपनी जान देकर भी करेंगे।

पता नहीं मर जाना वफादारी दिखाने का कौन सा पैमाना है।
पर अगर तुम लोगों को वफादारी ऐसे ही दिखानी है...

तो सूंडा तुम्हारी मदद जरूर करेगा।
सूंडों का खिंचाव किसी वैक्युम पंप की तरह शक्तिशाली था।

और इसको रोकने का एक ही तरीका था-

सकतान का रास्ता रोक देना।

शक्तिशाली वार है। कौन इतना शक्तिशाली हो सकता है। जो सूंडा के खिंचाव को रोक दे।

सौदांगी! बता तू कहां से आया है? और क्यों आया है?
आप तो सचमुच सौदांगी लग रही हो। पर...पर आप तो... असंभव मुझे भ्रम हो रहा है।

अभी फैसला हो जाएगा। तू सौडांगी है तो मुझसे बचकर दिखा।
भ...भक! भक!!
अब तेरी सूंडों में न हवा रहेगी न ही हवा का दाब।
अंहह!
ये...ये क्या? किसमें इतनी शक्ति और इतना साहस है कि मेरे तंत्र को काट सके।
ये... ये
हो सक
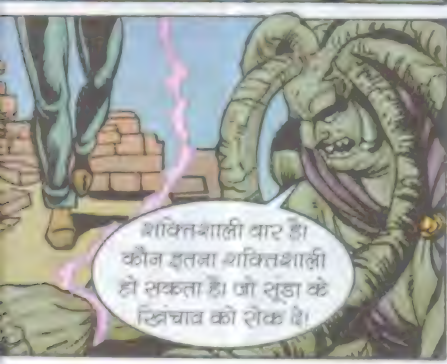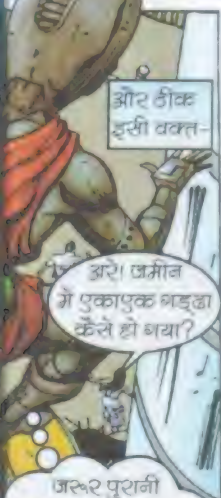
और ठीक इसी वक्त-
अरे! जमीन मे एकाएक गड्ढा कैसे हो गया?
जरूर पुरानी नगरी में किसी ने जमीन खोदी होगी। हाहाहा! अब मियाद बीतने मे सिर्फ एक मिनट बचा है।
उसके बाद तुम सबकी जानें मेरी एक अंगुली पर टिकी होंगी।
यह सच था! सौडांगी ने सुंडा पर जो घातक वार किया था, उससे हुए गड्ढे का असर यहां पर नजर आ रहा था।
इस विनाश को टालने की कोशिशें जारी थीं।
चाहे अंजाने में ही सही।
कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि ये क्या हो रहा है।
इसकी शक्ल तो मेरे जैसी होनी संभव है। पर इसकी तो शक्तियां भी मेरी शक्तियों का ही दूसरा रूप है।
सुंडा! जल्दी करो! ध्वस्त कर दो इस इमारत को!
पता नहीं मैं इसको कितनी और देर तक रोक पाऊंगी।
हमने इस नगरी की सुरक्षा का वचन दिया है। मैं कम से कम जान रहते तो ये वचन नहीं टूटने दूंगी।
तुमने अपनी शक्तियों का रुख इमारत की तरफ मोड़कर अपनी सुरक्षा को कमजोर कर लिया है। हटा लो ये कवच वर्ना बे मौत मारी जाओगी।

सौडांगी अपनी जान दांव पर लगाकर अपने कर्तव्य को पूरा कर रही थी।
आऽऽऽह! मैंने शीतनाग और नागू को भी यहां पर बुला तो लिया है। लेकिन पता नहीं उनके यहां पर आने तक मैं टिकी रह पाऊंगी या नहीं!

ऊम्मफ्!
आहऽऽऽह! मैं इसे तोड़ नहीं पा रहा हूं!
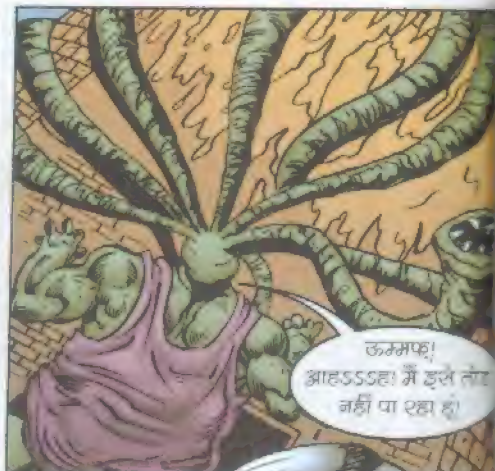
मदद अभी पहुंची नहीं थी और सौडांगी की शक्ति क्षीण होने लगी थी।
हाहा! ये गिर रहा है। मिट रहा है।

देखो। मैंने कुछ किया भी नहीं और ये विनाश शुरू हो गया।
अब ये पूरी इमारत गिरेगी और महानगर का एक भाग अंधेरे में डूब जाएगा। अंधेरा जो पिछले सौ सालों में कभी नहीं हुआ।

पर ये इमारत गिर क्यों नहीं रही है। अब तक तो इसको गिर जाना चाहिए था।
बस, कहीं कोई गड़बड़ ना हो।

गड़बड़ तो हो चुकी थी। पर सौडांगी के लिए। उसके होश तेजी से गुम हो रहे थे।
और मदद अभी भी दूर थी।

amaan.cooldude18
इसको कहते हैं आत्महत्या करना! अब तू इमारत के खंडहरों को गिरा सूंडा, और मैं इसको गिराती हूं।
सौडांगी का वार तो चला।
पर अपने निशाने तक पहुंच नहीं पाया।
अरे! ये कैसा अजीब सा अवरोध है! और इसमें मेरे वार को रोकने की क्षमता भी है।
आह! ये...ये क्या चीज है? और ...इस पर मेरा तंत्र वार क्यों नहीं चल रहा है?
क्योंकि ये नागरानी के काले बाल हैं। किसी भी तंत्र शक्ति को सोख लेने की क्षमता है इनमें।
नागरानी!! यानि... कि...नागरानी!
ऐ...ऐसा भी कहीं होता है!!
पर..पर तू... यहां पर कैसे आ गई?
यह तो मैं भी नहीं जानती!
पर अगर मैं इस वक्त यहां पर हूं तो इसका कारण कुछ जरूर होगा! मेरे रहते यहां पर कोई और विनाश नहीं होगा!
पर नागरानी अपने दुश्मन को पीछे हटने का एक मौका जरूर देती है।
वापस चली जाओ!
सूंडा! गड़बड़ है!...

अपना काम जल्दी पूरा करो! इस ढांचे को गिरा दो! पूरी ताकत लगाओ!
उम्मफ! नहीं कर सकता! बालों ने पूरे ढांचे को घेर लिया है।

तो अब हम यहां पर नहीं रुकेंगे! मुझे तो यहां पर खतरा महसूस हो रहा है... वापस चलो!
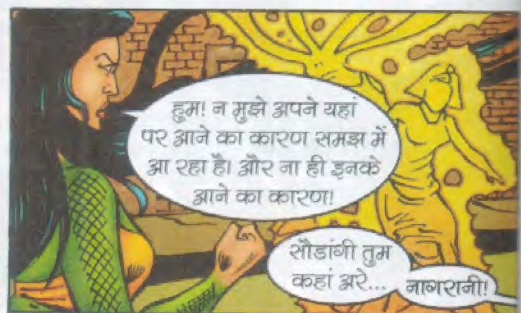
हुम! न मुझे अपने यहां पर आने का कारण समझ में आ रहा है। और ना ही इनके आने का कारण!
सौडांगी तुम कहां अरे... नागरानी!

तुम यहां पर कैसे? और सौडांगी को क्या हुआ?
ये अपनी जान की परवाह न करते हुए इस खंडहर को बचा रही थी।
अगर मैं वक्त पर न आती तो न तो खंडहर बचता और ना ही सौडांगी।
पर इस पर हमला करने वाले थे कौन?
सौडांगी!
सौडांगी?
मतलब! दूसरी सौडांगी!!

दूसरी सौडांगी!
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! तुम बताओ कि ये सब क्या है। इन खंडहरों में ऐसे कौन से हीरे-जवाहरात जड़े हैं जिनको बचाने के लिए तुम लोग मरने को भी तैयार हो।

शीतनाग पुरानी नगरी के उभरने और यहां पर विचित्र घटनाओं के घटने की दास्तान सुनाता चला गया।
मैं कुछ-कुछ समझ रही हूं। ये जरूर किसी दूसरे डायमेंशन का चक्कर है। ऐसे ही किसी दूसरे डायमेंशन का जहां से मैं आई हूं।
और ये पुरानी नगरी उस आयाम से इस आयाम में आने का द्वार है! खुला रास्ता
उस आयाम से इधर आने वालों के ईरादे क्या हैं। यह मैं नहीं जानता और न ही जानना चाहता हूं।
और तुम्हारा आना इस बात का सबूत है कि ये खंडहर एक आयाम द्वार है।

...इन दोनों बातों को मद्दे नजर रखते हुए हमें इस नगरी को ध्वस्त करना पड़ेगा।
पर पहले नागराज से सलाह करनी होगी। बताओ कहां पर मिलेगा नागराज! मैं सौडांगी को लेकर उसके पास जाऊंगी और उसकी राय जानूंगी!
नागराज तो महानगर में ही मिलेगा। पर किस स्थान पर यह बताना मुश्किल है।
नागराज की सहमति मिलते ही हमको इस नगरी को नेस्तनाबूद करना होगा, नागू!
एकदम शॉर्ट नोटिस पर!
ये स्पेशल इफैक्ट डिपार्टमेंट तो अपना है, शीतू!
बस तू देखता जा! ऐसे उड़ाऊंगा इस महाद्वीप को जैसे तूने असलियत तो दूर किसी हॉलीवुड फिल्म में नहीं देखा होगा!
एक सेकेंड में पूरा द्वीप- शूSSSSSम! धुंआ! और गायब!
मैग्नम के दावे में दम लग रहा है। अगर ये बात जनता तक पहुंच गई तो चारों तरफ बदहवासी का माहौल फैल जाएगा!
ऐसा नहीं होगा।
नागराज!
तुमने-तुमने मैग्नम को देखा! उसने पॉवर ग्रिड की इमारत गिरा दी।
सौडांगी तुम कहां थीं?
मैग्नम के दिखने की खबर पाकर पॉवर ग्रिड की मैन बिल्डिंग की तरफ चली गई थी! पर ...मेरे वहां पहुंचने तक वह जा चुका था।
हमें-हमें उसको ढूंढना होगा नागराज!
अब उसको ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ेगी, सौडांगी।
क्योंकि आज से ...अब से वह मुझे ढूंढेगा!
क्योंकि जिस प्राचीन नगरी को वह गिराना चाहता है।

amaan.cooldude18
Trying To Be Perfect As Mr Perfectionist
उसे मैं किसी भी कीमत पर गिरने नहीं दूंगा।
मैं खुद जाऊंगा उस प्राचीन नगरी की रक्षा करने के लिए। अब जो वहां से एक ईंट भी हिलाएगा। वह मौत से साक्षात्कार करेगा!
एक तरफ प्राचीन नगरी को नेस्तानाबूद करने का दृढ़ इरादा। और दूसरी तरफ ये महाशक्तिशाली नागराज की शपथ।
क्या? सूर्य से सूर्य टकराएगा और आसमान हो जाएगा लाल?
जारी रहेगी ये
चुनौति